वर्ष-3, अंक-13
इन्दौर, शुक्रवार
13 दिसम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद जिले के क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में सड़क पार कर रहे कुछ लोगों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि घटना मंगलवार रात को हुई। शहर में स्थित विजय नगर कॉलोनी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या नौ पर सड़क पार कर रहे चार लोगों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से वे गंभीर रूप से घायल हो गये। क्रॉसिंग रिपब्लिक की थानाध्यक्ष प्रीति गर्ग ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के दादरी के निवासी पवन कुमार (45) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी।

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्ली। भारी बारिश के मद्देनजर प्राधिकारियों ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपेट, कांचीपुरम, विल्लुपुरम, रामनाथपुरम, तंजावुर, मयिलादुथुराई और कुड्डालोर जिले में स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है। तमिलनाडु के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार को भारी बारिश के कारण अधिकारियों ने चेन्नई और कई अन्य जिलों में स्कूलों में अवकाश घोषित किया।

नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी घुसपैठिये धराए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को हिरासत में लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सतर्क सेना के जवानों ने बुधवार रात एक घुसपैठिये को उस समय पकड़ा, जब वह नियंत्रण रेखा पार करके पुंछ के सीमावर्ती गांव नूरकोट से भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहा था। प्रारंभिक पूछताछ से ऐसा लगता है कि वह गलती से नियंत्रण रेखा पार कर गया है। हिरासत में लिये गए घुसपैठिये की पहचान 18 वर्षीय मोहम्मद सादिक के रूप में की गयी है।

इजरायली हमलों में सहायता ट्रकों की सुरक्षा कर रहे आठ फिलिस्तीनियों की मौत

यरुशलम (एजेंसी)। गाजा पट्टी में मानवीय सहायता प्रदान करने वाले ट्रकों की सुरक्षा में लगे फिलिस्तीनियों के समूहों पर हुए दो इजरायली हवाई हमलों में आठ लोग मारे गए जबकि 30 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी रॉयटर ने चिकित्सकों के हवाले से दी। रिपोर्ट में कहा गया कि पहला हमला राफा शहर के पश्चिमी क्षेत्र, एन्दलेव के दक्षिण में और दूसरा खान यूनिस शहर में हुआ। इसमें कहा गया कि डॉक्टरों ने मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जतायी है।

श्रीकृष्ण के जीवन की प्रत्येक घटना मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक: मुख्यमंत्री

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि के लोग मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत पटलिया समाज के लोग गुजरात स्थित नवतनपुरी धाम जामनगर, महामंगलपुरी धाम सूरत और मध्यप्रदेश स्थित मुक्ति पीठ पद्मावतीपुरी धाम पन्ना में जाकर दर्शन लाभ ले सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने यह घोषणा आज अलीराजपुर जिले के ग्राम रिंगोल स्थित लाडीवरिया फलिया में आयोजित श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म महोत्सव-2024 में की। उन्होंने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद एवं स्वतंत्रता सेनानी परथिया बाबा की धरती को नमन किया। मुख्यमंत्री ने बरझर क्षेत्र में पुलिस थाने की स्थापना बोरकुंडिया में बिजली ग्रिड की स्थापना तथा चंद्रशेखर आजाद नगर विकासखंड क्षेत्र की लगभग 28 किलोमीटर की सड़कों के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री कृष्ण प्रणामी धर्म

महोत्सव के अलौकिक दिव्य वातावरण में आकर मन आनंदित हो गया है। बुंदेलखण्ड के महाराज छत्रसाल को श्री प्राणनाथजी ने भेंट के रूप में तलवार दी। श्री प्राणनाथजी ने श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म संप्रदाय की स्थापना की तब से यथावत चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन की प्रत्येक घटना मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक है। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सच्चाई के मार्ग पर निरंतर चलने और कष्टों से गुजरने के बाद ही वे श्रीकृष्ण कहलाये। श्रीकृष्ण को मोर मुकुट धारण करने में आनंद मिलता है यही मोर मुकुट समूचे समाज की पहचान के रूप में सुशोभित होता है। राज्य शासन द्वारा स्कूली पाठ्यक्रम में कृष्ण लीलाओं को पढ़ाए जाने का समावेशन किया गया है। प्रदेश के समस्त नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन की स्थापना की जाएगी। गीता कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग का अद्भुत संगम है जो अनेक रूपों में मानव जीवन को प्रभावित करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म महोत्सव में सर्वप्रथम गुरुजी श्री नटवरलालदास जी भट्ट (हरकुंडी गुजरात) की स्मृति में स्थापित ÷मूल मिलावा÷ के दर्शन कर परिक्रमा की। मूल मिलावा परमधाम में आत्मा का परमात्मा के मिलन को दर्शाता है। यहां पर भागवत जी एवं प्रणामी ग्रन्थों जैसे स्वरूप साहेब, वित्तक साहेब, ब्रह्मवाणी आदि 216 रखें ग्रंथों का अनुयायियों द्वारा महोत्सव के दौरान पाठ किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंच पर स्थित गुरु गादी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म महोत्सव आयोजनकर्ताओं द्वारा वृहद पुष्पमाला एवं पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही अलीराजपुर जिले संस्कृति को परिलक्षित करते चांदी के कड़े भेंट किए। श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म महोत्सव-2024 गुरुजी श्री नटवरलालदास जी भट्ट के 46वें स्मृति महोत्सव के रूप में महाराज श्री रश्मिकांत एन. भट्ट जी के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय 9 से 13 दिसम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें श्रीमदभागवद श्रीकृष्ण कथा, ब्रह्मज्ञान, महायज्ञ का आयोजन किया जाता है। श्रीकृष्ण प्रणामी धर्म के श्री रश्मि कांत भट्ट महाराज, श्री स्वामी राज दास जी महाराज, श्री महेंद्र प्रसाद जी महाराज, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, जोबट विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल, पूर्व सांसद श्री गुमान सिंह डामोर, पूर्व विधायक श्री माधौसिंह डावर, जनपद अध्यक्ष श्री इंदर सिंह डावर, श्री विशाल रावत, रिंगोल के सरपंच श्री महेश भूरिया सहित बड़ी संख्या में पटलिया समाज के लोग उपस्थित थे।

सीहोर में 7वीं कक्षा की बच्ची से गैंगरेप

सीहोर। सीहोर नगर के कस्बा क्षेत्र में 2 नवंबर को तीन युवकों ने नाबालिग से गैंग रेप किया और गलत काम का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वे पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगे। कोतवाली थाना प्रभारी मनोज मालवीय ने बताया, आज (गुरुवार) तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, नगर के कस्बा क्षेत्र की रहने वाली 11 वर्षीय नाबालिग कक्षा 7 में पढ़ती है। दरअसल, तीनों आरोपियों ने वीडियो नाबालिग के रिश्तेदार को भी दिखा दिया था। इसके बाद वह काफी डरी-सहमी रहने लगी थी। लेकिन बुधवार शाम उसने हिम्मत जुटाकर आपबीती अपनी मां को बताई और फिर तत्काल थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करवाई।

भोपाल में 6 साल की बेटी की अंगुली काटी

भोपाल। भोपाल में युवक ने 6 साल की बेटी पर छुरी से हमला कर दिया। मासूम ने बचाव में अपना हाथ आगे किया। इससे उसकी 3 अंगुलियां कट गई। उसके सिर और गले में भी चोट आई है।

बच्ची को बचाने आए अपने बड़े भाई (बच्ची के ताऊ) को भी आरोपी ने छुरी मारकर घायल कर दिया। दोनों को हमीदिया में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात छोला मंदिर इलाके की है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। 12 घंटे बाद जमानत मिलने पर बुधवार शाम उसे घर भी छोड़ आई। इसके थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। गुरुवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया।

बचाने आए बड़े भाई को भी छुरी मारी

केंची छोला का रहने वाला कमल रायकवार (28) पेशे से इलेक्ट्रीशियन था। छोटे भाई सोनू रायकवार ने बताया कि भाभी (कमल की पत्नी) ने 5 साल पहले सुसाइड कर लिया था। उनकी बेटी इशिका (6) प्राइवेट स्कूल में पहली कक्षा में पढ़ती है। भाई शराब का आदी था। नशे में उसने बेटी पर छुरी से हमला किया। बड़े भाई मुकेश ने बीच-बचाव किया, तो उन्हें भी छुरी मार दी। उनके सिर में गंभीर चोट आई है।

ढाबे पर नर्सिंग स्टूडेंट ने दिया एग्जाम, खुलेआम की नकल

ग्वालियर। ग्वालियर में एक ढाबे के बाहर नर्सिंग छात्र खुलेआम नकल कर एग्जाम देते हुए नजर आए। नर्सिंग छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह गुर्जर ने उन्हें रंगेहाथ पकड़ा और उनका वीडियो बना लिया। उन्होंने नकल माफिया के खिलाफ भोपाल में दो दिन बाद बड़े प्रदर्शन की चेतावनी दी है। बता दें कि छात्रों का ये वीडियो मुरैना रोड हाईवे के एक ढाबे पर मंगलवार का है, जो गुरुवार को सामने आया। यहां ढाबे के बाहर लहरू (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) के सेकंड और थर्ड ईयर के दो छात्र एप्रिन पहनकर प्रैक्टिकल परीक्षा दे रहे थे। वे कॉपी खोलकर बेखौफ नकल कर रहे थे।

छात्रों ने बताया कि दलाल ने दिलवाया एडमिशन

जिला अध्यक्ष उपेंद्र ने बताया कि मैं मुरैना से ग्वालियर लौट रहा था। ढाबे पर दो नर्सिंग छात्र परीक्षा देते नजर आए। मैं उनके पास गया और वीडियो बनाया। जब मैंने पूछा कि किस कॉलेज को हो और यहां ढाबे पर क्यों एग्जाम दे रहे हो। तो उन्होंने बताया कि नर्सिंग के दलाल के जरिए एडमिशन लिया। कॉलेज आज तक नहीं देखा। दलाल ने गाड़ी से ढाबे पर उतार दिया और कॉपियां दे दी।

सीएम से करेंगे नकल माफिया पर कार्रवाई की मांग

नर्सिंग छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष उपेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि ग्वालियर चंबल अंचल के साथ प्रदेश भर में नर्सिंग शिक्षा पर माफियाओं ने कब्जा कर रखा है। ये जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी के अधिकारियों की मदद से प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा में जहर घोल रहे हैं। ये मोटा मुनाफा कमाकर प्रदेश के युवाओं का भविष्य खत्म कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोपाल में दो दिन बाद मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर नकल माफिया पर कार्रवाई की मांग करेंगे।

संपादकीय

राजनीति में अब नई इबारत लिखेंगी प्रियंका

देश में पिछले दिनों जहाँ महाराष्ट्र व झारखण्ड में विधानसभा चुनाव संपन्न हुये वहीं विभिन्न राज्यों की कई सीटों पर विधानसभा व लोकसभा उपचुनाव भी कराये गये। इन्हीं में एक केरल की वायनाड संसदीय सीट भी थी जिस पर 2024 के आम चुनावों में राहुल गाँधी रायबरेली के साथ साथ वायनाड से भी विजयी हुये थे। बाद में राहुल को वायनाड सीट छोड़कर रायबरेली की सीट अपने पास रखनी पड़ी। राहुल ने यहाँ 6,47,445 वोट प्राप्त करके 3,64,422 के अंतर से भारी जीत हासिल की थी। इसी सीट पर हुये उपचुनाव में कांग्रेस ने प्रियंका गाँधी को पहली बार लोकसभा चुनाव में उतारा। प्रियंका को यहाँ राहुल गाँधी से भी अधिक मत हासिल हुये और उन्होंने 4 लाख से अधिक वोटों के अंतर से ऐतिहासिक जीत हासिल की। जिस समय प्रियंका की शानदार जीत व संसदीय राजनीति में उनके सक्रिय व अधिकृत प्रवेश की पटकथा वायनाड की जनता लिख रही थी उस समय देश का गोदी मीडिया केवल महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों को महिमामंडित करने में लगा था। ग़ौर तलब है कि अपने व्यक्तित्व में अपनी दादी इंदिरा गांधी के दर्शन का एहसास कराने वाली प्रियंका गांधी को पहली बार इतने भारी मतों से उस केरल राज्य के लोगों ने चुना है जोकि देश का सबसे शिक्षित राज्य है। और भरतीय जनता पार्टी तमाम प्रयासों के बावजूद यहाँ अपनी दाल गला नहीं पाती। केरल के लोग भाजपा को वोट क्यों नहीं देते इसपर कांग्रेस या विपक्ष क्या कहता है उससे ज़्यादा अहमियत इस बात की है कि स्वयं भाजपा इस बारे में क्या सोचती है। इस विषय पर जब मार्च 2021 में केरल भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व केरल भाजपा के अध्यक्ष रहे वरिष्ठ नेता राजागोपाल से पूछा गया कि बीजेपी केरल में अपनी राजनीतिक ज़मीन क्यों नहीं तैयार कर पाती। इस प्रश्न के उत्तर में राजगोपल ने कहा, केरल अलग तरह का प्रदेश है। दो-तीन प्रमुख कारण हैं। एक तो यह कि केरल की साक्षरता दर 90 प्रतिशत है। यहां के लोग सोचते हैं, तार्किक हैं। ये शिक्षित लोगों की आदतें हैं। दूसरी बात यह कि केरल में 55 प्रतिशत हिंदू हैं और 45 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं। हर कैलकुलेशन में ये चीज़ आती है। ऐसे में केरल की तुलना किसी और राज्य से नहीं की जा सकती है।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

लघुकथा

लघुकथा

ससुराल

अरे बेटी तुम ज़रा आराम करो थक गई होगी, लंबा सफ़र कर के आई हो। सासू मां ने बड़े अपनेपन और प्यार से नई नवेली बहू अर्थात मेरे सिर पर हाथ फेरते हुए कहा। बेटा-बहू कमरे में जा ही रहे थे, तभी ननद चाय की ट्रे लेकर हाज़िर हुई - अरे भाभी चाय नाश्ता कर के आराम कीजिएगा बोलकर नाश्ते की प्लेट से मठरी उठाकर बड़े प्यार से मेरे मुंह में रख दी और हम वहीं नाश्ता करने बैठ गए। सब-कुछ मुझे अपने घर जैसा ही लग रहा था। तभी सासू मां ने मेरे पतिदेव को निर्देश देते हुए कहा - देख बेटा मेरी बहू को मायके की याद न आए, उसकी सारी सुख-सुविधाओं का ध्यान रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, मुझे तेरी कोई शिक़ायत नहीं चाहिए समझा, पतिदेव ने हंसते हुए हां में सिर हिलाया तो सासू मां ने निश्चिंतता से मेरी ओर देखते हुए कहा -अब मेरी दो बेटियां हैं, अब मेरी सारी चिंता खत्म। आज तेरे बाबूजी जिंदा होते तो कितना खुश होते। कहकर डबडबाई आंखों से सासू मां ने मेरी ननद और मुझे अपनी बाहों में भरकर गले से लगा लिया। एक और मां का दुलार पाकर मेरी आंखों में भी आंसू आ गए। विदाई के समय किसी के कहे व्यंग्यबाणों की तीक्ष्णता अब कम होती जा रही थी - बिटिया जा तो रही हो, लेकिन ध्यान रहे ससुराल में कोई तुम्हारा नहीं होगा, इसलिए कोई ग़लती न कर बैठना ! ससुराल ससुराल होता है।

हेमलता शर्मा भोली बेन
इंदौर मध्यप्रदेश

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 236.18 अंक या 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ 81,289.96 अंक पर बंद हुआ।

वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 93.10 अंक या 0.38 फीसदी गिरकर 24,548.70 अंक पर बंद हुआ। आजह सेंसेक्स में, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, मारुति, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भारी गिरावट के साथ बंद हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.30 फीदसी बढ़कर 73.74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,012.24 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। बीएसई सेंसेक्स में सूचीबद्ध 30 कंपनियों में से 12 शेयर बढ़त और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसमें एनटीपीसी के शेयर को सबसे अधिक घाटा हुआ, जबकि टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक लाभ में रहा। गिरावट के साथ बंद होने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी, भारतीय स्टेट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से शामिल हैं। एनएसई के 2873 शेयरों में से 896 हरे निशान और 1904 शेयर लाल निशान पर रहे, जबकि 73 शेयरों में किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ। इनमें एनटीपीसी को सबसे अधिक नुकसान हुआ। एनएसई में टूटने वाले दूसरे शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोल इंडिया, हीरो मोटर्स और बीपीसीएल शामिल हैं. एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग हरे निशान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार मिश्रित रुख पर कारोबार कर रहे थे। बुधवार को रात भर के कारोबार में वॉल स्ट्रीट ज्यादातर बढ़त पर बंद हुआ। जापान के निक्केई 225, हांगकांग के हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी और चीन के शंघाई कंपोजिट मजबूत हुए. यूरोपीय बाजार और अमेरिकी बाजारों में बढ़त का रुख बना हुआ है। सेंसेक्स 200 अंक लुढ़क गया। वहीं निफ्टी 24,550 के नीचे आ गया। इसके चलते शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति आज करीब 2.39 लाख करोड़ रुपये डूब गई। ब्रॉडर मार्केट में भी पिछले 13 दिनों से चली आ रही तेजी थम गई। बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 1 फीसदी लुढ़ककर बंद हुआ इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,512.28 पर ही खुला। वहीं निफ्टी 50 24,626.50 पर खुला, जो 15.30 अंक नीचे है। वहीं बुधवार के कारोबारी ?दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 81,526.14 पर बंद हुआ, जो 16.09 अंकों की बढ़त दिखाता है। दूसरी ओर निफ्टी50 31.75 अंकों की बढ़त के साथ 24,641.80 पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजार गुरुवार को ज्यादातर बढ़त के साथ कारोबार करते दिख रहे हैं। वॉल स्ट्रीट में आई तेजी का असर इन बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है।

सकारात्मक सोच से ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं

कृषि-क्लीनिक एवं कृषि-व्यवसाय केन्द्र प्रशिक्षण समपन्न

इंदौर। मेडी-केप्स विश्वविद्यालय ने एसी एंड एबीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले बैच के समापन समारोह के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। यह 45-दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम नोडल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनटीआई) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा बेरोजगार युवाओं को कृषि शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है।

समारोह सुबह 10:30 बजे विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम जामली के प्रगतिशील किसान श्री दिनेश पाटीदार (भूत) उपस्थित थे। श्री पाटीदार भारतीय और विदेशी फलों जैसे ड्रैगन फ्रूट, सीताफल, आम, अमरूद और एवोकाडो की उन्नत तकनीकों से खेती के लिए प्रसिद्ध हैं। अपने उद्बोधन में उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने समर्पण और प्रयास के महत्व पर जोर दिया।

माननीय कुलगुरु प्रो (डॉ) डी.के. पटनायक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सकारात्मक सोच की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवा प्रशिक्षार्थियों से ईमानदारी और परिश्रम के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, ःसकारात्मक सोच से ही सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं।ः

कृषि संकाय के डीन डॉ. एस.डी. उपाध्याय ने पारंपरिक खेती में कमी और गहन कृषि विशेष रूप से बागवानी खेती अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किसानों के परिवारों की औसत भूमि होल्डिंग केवल 0.74 हेक्टेयर रह गई है, जो कृषि उत्पादकता बनाए रखने के लिए नवाचार अपनाने की अनिवार्यता को दर्शाती है।

मैनेज, हैदराबाद के एसी एंड एबीसी सलाहकार डॉ. पवन कल्याण ने कार्यक्रम की सफलता पर संतोष व्यक्त किया ।

एनटीआई के प्रशिक्षण समन्वयक प्रो. मुरलीधर अय्यर ने इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी हितधारकों, विश्वविद्यालय प्रबंधन, संकाय सदस्यों और सहयोगी एजेंसियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कृषि संकाय के प्रो. एस.के. चौरे द्वारा संचालित समापन समारोह प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के साथ संपन्न हुआ। प्रशिक्षार्थी अपने ज्ञान और कौशल को कृषि क्षेत्र में लागू करने के लिए नई ऊर्जा और उत्साह के साथ समारोह से विदा हुए।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम नवाचार को प्रोत्साहित करने और कृषि के क्षेत्र में अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए मेडी-केप्सविश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

आयुष्मान कार्ड से गरीबों को नहीं मिल रहा इलाज

निजी अस्पतालों के पैकेज से 196 बीमारियां हुई बाहर

इंदौर। आयुष्मान कार्ड धारकों को निजी अस्पतालों में 196 बीमारियों का इलाज नहीं मिल रहा। इसमें सीजर डिलीवरी, मोतियाबिंद, मलेरिया, नवजात शिशु देखभाल जैसी सामान्य बीमारियां शामिल हैं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए भी 5 लाख रुपये की सीमा पर्याप्त नहीं है।

सवाल यह उठता है कि आखिर आयुष्मान कार्ड धारकों को निजी अस्पतालों में इलाज मिलना क्यों कठिन हो गया है? दरसअल मध्य प्रदेश में पिछले सालों में आयुष्मान योजना में फर्जीवाड़ा और उज्जैन में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद, सरकार ने कई बीमारियों को निजी अस्पतालों के पैकेज से बाहर कर दिया है। इससे मरीजों को सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जहां तक अन्य राज्यों की योजनाओं की बात है तो यहां बताते चलें कि राजस्थान में चिरंजीवी योजना है, जिसकी सीमा 10 लाख तक की है। इस योजना में सरकारी और निजी दोनों ही अस्पताल शामिल किए गए हैं। वहीं आंध्र प्रदेश की आरोग्यश्री योजना है, जिसकी सीमा 5 लाख तक की है। गुजरात में मुख्यमंत्री अमृतम योजना चल रही है जो कि गंभीर बीमारियों पर फोकस करती है।

इस संबंध में जब हम मध्य प्रदेश की स्थिति को देखते हैं तो पाते हैं कि आयुष्मान योजना के तहत निजी अस्पतालों में सामान्य बीमारियों का इलाज बंद होने से मरीजों को राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों का रुख करना पड़ रहा है। सरकारी अस्पतालों में वेटिंग लिस्ट लंबी हो रही है। इससे गरीबों को उचित इलाज मिलना भी मुश्किल हो गया है। इस पूरे मामले में स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला का कहना है कि अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर योजना में सुधार की कोशिश की जाएगी। इससे उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही योजना का लाभ दोबारा गरीबों को समय पर मिल सकेगा।

बहरहाल आयुष्मान योजना को गरीबों के लिए प्रभावी बनाने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों में संतुलन की आवश्यकता है। साथ ही, इलाज का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए बेहतर योजनाएं और संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

समाजवादी पार्टी 17 दिसंबर को करेगी विधानसभा का घेराव

इंदौर। बढ़ती महंगाई, घटते रोजगार और किसानों, मजदूरों की बढ़ती समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी 17 दिसंबर को विधानसभा का घेराव करेगी। प्रदेश में किसानों, बहनों, छात्रों, एससी-एसटी वर्ग और पत्रकारों सहित सभी वर्ग परेशान हैं ।मोहन यादव के मुख्यमंत्री बने एक साल हो गया है । इस एक साल में मध्य प्रदेश ने कर्ज, क्राइम और करप्शन का नया रिकॉर्ड बन रहा है।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव रामस्वरूप मंत्री ने बताया कि 17 तारीख को प्रदेश के सभी जिलों से समाजवादी पार्टी और उससे जुड़े संगठन के नेता कार्यकर्ता भोपाल पहुंचेंगे । आज यहां जारी बयान में श्री मंत्री ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, धोखा देने और जनता के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'मोहन यादव जी को लगभग एक साल हो गया है इस काल में करप्शन की लूट मची है। इस सरकार में लूट की छूट है। सरकारी जमीनें बेची जा रही हैं। एक हज़ार करोड़ की ज़मीन तीन सौ करोड़ में बेची जा रही है। मध्य प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है और राज्य सरकार की प्राथमिकता किसान तथा मजदूर हितैषी होनी चाहिये लेकिन वहां भाजपा के शासनकाल में खासकर किसान तथा खेतिहर मजदूर वर्ग के लोग सबसे ज्यादा दुःखी और परेशान हैं।

गेहूं की कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए भंडारण की सीमा घटी

इंदौर। केंद्र सरकार ने खुदरा और होलसेल व्यापारियों के गेहूं स्टाक करने की क्षमता को घटा दिया है। सरकार ने यह कदम गेहूं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए उठाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों और एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने थोक व्यापारियों के लिए अभी तक 2000 मेट्रिक टन गेहूं के स्टाक की सीमा थी।

होलसेल के लिए 1000 और खुदरा व्यापारियों 50 मैट्रिक टन स्टॉक सीमा

उसे घटाकर 1000 मेट्रिक टन कर दिया है। वहीं खुदरा व्यापारियों के लिए 100 मेट्रिक टन की सीमा को घटाकर 50 मेट्रिक टन कर दिया है। सरकार का मानना है, सरकार के इस कदम से जमाखोरी रुकेगी। गेहूं की कीमतों को नियंत्रण मे रखा जा सकेगा। कोई भी व्यापारी अथवा संस्था भंडारण सीमा का उल्लंघन करेगी। उसके ऊपर अति आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत सरकार कार्रवाई करेगी। केंद्र सरकार ने निर्देश दिया है, 15 दिन के अंदर भंडारण सीमा को थोक और फुटकर व्यापारी नियंत्रित कर लें। अन्यथा उनके ऊपर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

21 साल से सोई केन्द्र सरकार को हाइकोर्ट आदेश के बाद पुलिस अफसर को देना होगा राष्ट्रपति पदक

इन्दौर। दो दुर्दांत डकैतों का डांडाखिड़क के जंगल में मुठभेड़ के दौरान एनकाउंटर करने वाले पुलिस अधिकारी को वीरता पदक पाने के लिए हाई कोर्ट जाना पड़ गया जिसके बाद हाई कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिए कि 1 माह में पुलिस अफसर को राष्ट्रपति का वीरता पदक प्रदान किया जाए।

मामले में 21 वर्ष पूर्व राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक की अनुशंसा की गई थी। राज्य सरकार द्वारा की गई केन्द्र सरकार को इस अनुशंसा पर केन्द्र सरकार द्वारा 21 साल में भी कोई निर्णय नहीं लेने पर पुलिस अफसर को हाई कोर्ट आना पड़ा। जिसके बाद हाइकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया। पुलिस अफसर की ओर से प्रकरण पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेंद्र सिंह, जयदीप कौरव एवं कौशल सिंह सिसौदिया ने की । प्रकरण कहानी संक्षेप में इस प्रकार है 21 साल पहले 24 जून 2003 को तत्कालीन उप निरीक्षक पुलिस ग्वालियर विवेक सिंह चौहान (वर्तमान एसीपी इन्दौर) ने जिले के घाटीगांव थाना क्षेत्र में डांडाखिड़क के जंगल में डकैतों के साथ हुई मुठभेड़ में डकैतों को खदेड़ते अपने एक साथी होम गार्ड के साथ अकेले दो दुर्दांत डकैतों को मार गिराया था। इस मुठभेड़ में विवेक सिंह भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके इस साहस को देखते हुए तब राज्य सरकार ने उनको राष्ट्रपति के वीरता पदक दिए जाने की अनुशंसा केंद्र सरकार से की गई थी।

राज्य सरकार की अनुशंसा के बावजूद केन्द्र सरकार ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया तो मजबूरन विवेक सिंह को अपने हक के लिए हाई कोर्ट आना पड़ा। जिसके बाद हाइकोर्ट ने केन्द्र सरकार को एक माह में उन्हे राष्ट्रपति का वीरता पदक प्रदान किये जाने के निर्देश दिए।

यूसीमास की अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल की नीलाद्री का चयन

दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में दिखाएंगी अपना हुनर

जावरा। सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल जावरा की छात्रा नीलाद्री जुलवानिया ने यूसीमास (यूनिवर्सल कॉन्सेप्ट ऑफ मेंटल अरिथमेटिक सिस्टम) परीक्षा में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए दिल्ली में आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय प्राचार्य देवेंद्र मूणत ने बताया कि यह हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। छात्रा ने यह साबित किया है कि कठिन

परिश्रम और लगन के साथ कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उनका प्रदर्शन अन्य छात्र छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि वह आने वाले चरणों में भी इसी तरह सफलता अर्जित करें। विद्यालय परिवार उनके साथ हर कदम पर खड़ा है। यूसीमास परीक्षा बच्चों के मानसिक गणना और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को निखारने का अद्वितीय मंच है। संस्था मैनेजर भाविक मूणत ने बताया कि छात्रा की इस उपलब्धि ने विद्यालय, अभिभावकों और सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का मान बढ़ाया है। नीलाद्री अब आगामी अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जो दिल्ली में दिनांक 14 से 15 दिसंबर 24 को आयोजित होने वाली हैं। प्रतियोगिता के में भाग लेने निलाद्री गुरुवार को दिल्ली के लिए रवाना हुई। विद्यालय प्रबंधन और स्टाफ ने उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान कर उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

कर्नाटक के राज्यपाल का जावरा में शुक्रवारियां में स्वागत

जावरा। कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम थावरचंद्र गहलोत गुरुवार को जावरा पहुंचे। शुक्रवारियां में प्रकाश मेहरा पिंकेश मेहरा के निवास पर भारतीय जनता पार्टी सदस्यों के साथ ही परिवारजनों और अन्य नागरिकों ने स्वागत किया। मेहरा परिवार महामहिम का शाल श्रीफल भेंट कर साफा बांधकर सम्मान किया। इस अवसर पर केकेसिंह कालूखेड़ा, धरमचन्द्र चपड़ोद, चंद्रप्रकाश ओस्तवाल, डॉ दिलीप शाकल्य, अभय कोठारी, प्रकाश काठेड़, प्रकाश कोठारी, जगदीश उपमन्यु, मनोज मेहता, पंकज कर्नावट, माहेश्वरी समाज के सतीश सोमानी, पवन मेहरा, अभिषेक बोरदिया, अमित रुनवाल, अशोक सुराणा, पन्ना लुकड़, अभय चोपड़ा, मदन मुंदड़ा, राजेश बरमेचा, मयंक सैनी, भावेश सैनी, विपुल कांकरिया, अनिल गंगवाल, दिव्या उपाध्याय, रोहन, अंकित धाकड़, अनिल वीर के साथ मेहरा परिवार के रश्मि पिंकेश मेहरा, न्याशा मेहरा, हनु मेहरा आदि उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 14 दिसंबर को

जावरा में 09 खण्डपीठों में होगा आपसी समझोतों के आधार पर लंबित प्रकरणों का निराकरण

जावरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं उमेश पाण्डव, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आगमी 14 दिसंबर 24 शनिवार को जिला न्यायालय रतलाम एवं तहसील न्यायालय जावरा, सैलाना, आलोट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त लोंक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण । आयोग, बैंकों के ऋण वसूली प्रकरण, बी.एस.एन.एल. संपत्तिकर एवं जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय रतलाम में 24, जावरा में 09, आलोट में 04 तथा सैलाना में 02 इस प्रकार कुल 39 खंडपीठों का गठन कर पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यों को नामांकित किया गया है।

उक्त लोक अदालत में विभिन्न विभागों द्वारा शासन के दिशा निर्देशानुसार छूट भी प्रदान की जावेगी। दिनांक 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य प्रकरण तथा (वाद पूर्व) प्रीलिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु प्रस्तुत किए जा रहे है। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दावा, धारा 138 एनआईएक्ट, पारिवारिक मामले, समझौता योग्य ऑपराधिक एवं सिविल मामलों को निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। जिला विधि सेवा प्राधीकरण रतलाम के सचिव संजयकुमार जैन ने जिले की आमजनता से अपील की जाती है कि उक्त आयोजित नेशनल लोक अदालत में भाग लेकर अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों का निराकरण कराकर लाभान्वित हो।

मोक्षदा एकदशी पर हुए विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान श्री खाटूश्याम मंदिर में उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

बड़वानी। मोक्षदा एकदशी बुधवार को भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दिनभर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। जिसमें हजारों भक्तों ने शामिल होकर धर्म लाभ लिया।

जिले के अंजड़ स्थित श्याम मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था। मंदिर प्रांगण में महिला श्रद्धालुओं द्वारा भजन-कीर्तन के साथ जमकर झमें। गुरुवार सुबह 11 बजे बारस की ज्योत प्रज्वलित कर बाबा को भोग लगाकर आरती की। निमाड़ के प्रसिद्ध तेली भट्यान के संत श्री-श्री 1008 श्री सियाराम बाबा के मोक्षदा एकदशी पर ब्रम्हलीन होने पर सांयकालीन महाआरती के बाद हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में दो मिनिट का मौन रखकर भाव भीनी श्रद्धांजलि दी गई।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में श्रेया का चयन

बड़वानी। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की श्रेया नायर ने राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया। मीडिया प्रभारी अनूप कुरील ने बताया कि देवास में आयोजित होने वाली 68वीं राष्ट्रीय सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की खिलाड़ी छात्रा श्रेया नायर का चयन हुआ है। शालेय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया है। श्रेया ने इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत की थी। स्कूल के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। बहुत कम समय में ही स्कूल से राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ी निकल रहे हैं। श्रेया स्कूल के साथ-साथ सरस्वती टेनिस क्लब में भी प्रशिक्षण ले रही है। श्रेया 13 से 17 दिसम्बर तक प्री नेशनल कैम्प देवास में हिस्सा लेगी। प्रतियोगता 20 से 24 दिसम्बर तक देवास में होगी। इस उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन डॉ राजेंद्र मालवीय, प्राचार्य डॉ पीवी सत्य रमेश, कोच रोहित राठौर एवं समस्त स्टॉफने बधाई दी।

मध्य प्रदेश सरकार के 21458 करोड़ रोके केंद्र सरकार ने

इंदौर। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत मध्य प्रदेश सरकार को 37652 करोड़ रुपए केंद्र सरकार से प्राप्त होने थे। अभी तक केंद्र सरकार से कुल 16194 करोड रुपए मध्य प्रदेश सरकार को मिल पाए हैं। 21458 करोड रुपए का भुगतान केंद्र सरकार द्वारा नहीं किया गया है। जिसका असर विकास योजनाओं पडने लगा है। मध्य प्रदेश सरकार को खर्च पूरा करने के लिए हर माह ब्याज पर कर्ज लेना पड़ रहा है। केंद्र एवं राज्य में भाजपा की सरकार होते हुए भी मध्य प्रदेश सरकार को समय पर पैसा नहीं मिलना, सरकार के आर्थिक संकट को बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में मध्य प्रदेश सरकार को 2625 करोड रुपए मिलने थे। अभी तक मात्र 841 करोड रुपए प्राप्त हुए हैं। मध्य प्रदेश सरकार को छात्रवृत्ति के रूप में 375 करोड रुपए मिलने थे। अभी तक केवल 250 करोड रुपए का भुगतान हुआ है। केंद्रीय सड़क निधि, समग्र शिक्षा अभियान, पीएम श्री योजना, न्यायालय भवनो के निर्माण की राशि,राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की राशि, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन इत्यादि की योजनाओं का केंद्र सरकार द्वारा 21458 करोड रुपए का भुगतान मध्य प्रदेश सरकार को नहीं किया गया है। जिसके कारण मध्य प्रदेश सरकार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। मध्य प्रदेश सरकार लगातार लंबित राशि को प्राप्त करने का प्रयास कर रही है। इसके बाद भी केंद्र से राशि नहीं मिल पा रही है। वर्ष 2025-26 के लिए मध्य प्रदेश सरकार बजट तैयार कर रही है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बड़वानी पुलिस का नवाचार

दिखाई जा रही साइबर जागरूकता की वीडियो विलप, 2 एलईडी स्क्रीन पर जारी किए साइबर जागरूकता के वीडियो, विगत दिनों 6 स्थानीय बोलियों में किया साइबर संदेश जारी

बड़वानी। पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर के निर्देशन में पुलिस द्वारा अभियान हम होंगे कामयाब, साइबर जागरूकता, यातायात जागरूकता अभियान आदि चलाए जा रहे हैं।

इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल पाटीदार के मार्गदर्शन में स्कूल/महाविद्यालय, शासकीय/अशासकीय संस्थाओं में सतत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शहर के प्रमुख चौराहे कारंजा एवं पुराना थाना चौराहा कचहरी रोड़ पर स्थित एलईडी स्क्रीन पर श्रीराम एडवर्डटाइसमेंट कंपनी के सहयोग से साइबर जागरूकता के विशेष वीडियो को चलाकर आम लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ऐसे नवाचार आगामी दिनों में भी जारी रखे जाएंगे। जिससे अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके एवं साइबर अपराधों के विरुद्ध जागरूकता का वातावरण तैयार किया जा सके। विगत दिनों 6 स्थानीय बोलियों में सायबर संदेश जारी किया गया है। हिन्दी, निमाड़ी, भिलाली, बारेली, आयरनी एवं मराठी में एडवाईजरी जारी की गई है।

18 को बड़वानी में होगा नि:शुल्क नेत्र शिविर

बड़वानी। जिला अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ अनिता सिंगारे के मार्गदर्शन में 18 दिसंबर को नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच शिविर आयोजित होगा। जिसमें नोडल अधिकारी डॉ आशीष सेन, चोइथराम अस्पताल के डॉक्टर्स और नेत्र विभाग जिला अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा नेत्र मरीजों का परीक्षण किया जाएगा। लायन महेश जोशी ने बताया कि शिविर विशेष रूप से मोतियाबिंद और कांचबिंद के मरीजों के लिए रहेगा। चयनित मरीजों को इन्दौर चोइथराम नेत्र चिकित्सालय भेज कर नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण कराया जाएगा। लायन राम जाट ने कहा कि शिविर में मरीजों की ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच शिविर स्थल पर नि:शुल्क रहेगी। मरीज आधार कार्ड साथ में लेकर आए। शिविर सुबह 9.30 से दोपहर 1.30 बजे तक रहेगा। सदस्यों ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

इंदौर में पहली बार जैन परिवार में हुई अनूठी शादी अग्नि नहीं अष्टमंगल से हुए फेरे

इंदौर। अर्हम् विज्जा प्रणेता उपाध्याय श्री प्रवीणऋषि जी महाराज साहब के मार्गदर्शन में कल्याण मित्र टीम के द्वारा जिन शासन की प्रभावना करते हुए इंदौर में ही नही बल्कि मध्यप्रदेश में पहली बार अर्हम गृहस्थ-धर्म दीक्षा संपन्न हुई। हवन अग्नि न जला कर वायु के जीवों की रक्षा करते हुए अष्ट मंगल एवं नवकार के साथ फेरे लेकर पाणीग्रहण संस्कार संपन्न हुआ ।

गुरुदेव के मुखारविंद से पांच अणुव्रत के साथ वर-वधु ने अर्हम् धारण किया । त्रिलोकचंद जी जैन के सुपुत्र के इस विवाह में कन्यादान नहीं हुआ बल्कि कन्या प्रदान एवं बहु ग्रहण की विधि को कल्याण मित्र टीम द्वारा सम्पन्न कराया गया । आडंबर रहित सादगी के साथ यह अनुष्ठान धार रोड स्थित कीमती गार्डन में अर्हम विज्जा की कल्याण मित्र टीम -मधुलिका जैन, निकिता जैन, नीता जैन, लवीना जैन के द्वारा संपन्न किया गया। अर्हम् विज्जा की वाइस प्रेसिडेंट सुनीता छजलानी, शैलेष नीमजा, सुमतिलाल जी छजलानी और समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति इस विवाह में उपस्थित थे।

मुमुक्षु कुमारी उर्वी मेहता 14 दिसंबर को आराधना भवन श्री संघ में दीक्षा ग्रहण करने जा रही है

रतलाम।

शांतिलाल लल्लू मेहता परिवार की कुल दीपिका मुमुक्षु कुमारी उर्वी मेहता 14 दिसंबर को आराधना भवन श्री संघ में चातुर्मास हेतु विराजित गणिवर्य कल्याणरत्न विजय जी म. सा. की निश्रा में भगवती दीक्षा ग्रहण करने जा रही है।

इस प्रसंग पर मेहता परिवार द्वारा 12 से 14 दिसंबर त्रि दिवसीय आत्म कल्याण उत्सव के प्रथम दिन प्रात: 7 बजे गुजराती जैन मंदिर से प्रभु को लेकर गुरु भगवंत के साथ गाजे बाजे के साथ समाजजन हनुमान रुंडी पहुंचे, जहां मेहता परिवार एवं समस्त समाजजन द्वारा भव्य अगवानी की गई। बाद में धर्म सभा को संबोधित करते हुए पूज्य गणिवर्य कल्याणरत्न विजय जी म. सा. ने प्रात: प्रवचन में फरमाया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने सुख से प्यार रहता है एवं सुख पुण्य से मिलता है और वह देव गुरु एवं धर्म की कृपा से प्राप्त होता है। व्यक्ति के द्वारा आध्यात्मिक संबंध में गुण कभी कम नहीं होते हैं। दीक्षा लेने का मतलब अपने भौतिक संबंधों को समाप्त कर आध्यात्मिक संबंध बनाना है। यहीं से विरति की ओर अग्रसर होता है।

आपने आगे फरमाया कि हमेशा दुश्मन से भी मैत्री भाव एवं करुणाभाव रखना चाहिए बाद में

प्रात: 9 बजे हनुमान रुंडी पर पार्श्व जिनकल्याणक पूजन का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें संगीतकार प्रियंक भाई संघवी द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई एवं भक्तजन भाव विभोर होकर नृत्य करते रहे। दोपहर को 2 बजे से मोहन टाकीज पर दीक्षार्थी उर्वी मेहता के अनुमोदनार्थ वस्त्र रंगो उत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें सूरत से विशेष रूप से पधारी महिला संगीतकार नियाबेन शाह एवं जियाबेन शाह द्वारा भव्य भक्ति की गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में महिला श्राविकाओं ने धर्म लाभ प्राप्त किया एवं रात्रि को हनुमान रुंडी पर भव्य प्रभु भक्ति का आयोजन भी किया गया जिसमें विशेष रूप से संगीतकार भावेश सुमरिया द्वारा प्रस्तुति दी गई। आत्म कल्याण उत्सव के दूसरे दिन 13 दिसंबर को प्रात: 9:00 बजे से दीक्षार्थी के निवास स्थान हटीराम दरवाजा से भव्य वर्षीदान यात्रा निकलेगी जो कलाइगर रोड, घास बाजार, चोमुखी पुल, गणेश देवरी, डालूमोदी बाजार, धानमंडी, बजाज खाना, चांदनी चौक होते हुए हनुमान रुंडी पहुंचेगी एवं दोपहर 3:00 बजे गणिवर्य कल्याणरत्न विजय जी म. सा. के प्रवचन संपन्न होंगे। रात्रि 7 बजे जैन स्कूल पर सम्वेदना समारोह संपन्न होगा एवं 14 दिसंबर को प्रात: की शुभ वेला में जैन स्कूल सागोद रोड पर भगवती दीक्षा संपन्न होगी। मेहता परिवार एवं आराधना भवन श्री संघ, आराधना भवन सेवा समिति, चंद्रवीर परिवार, प्रवचन परिवार ने अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने की विनती की है।

सरकार के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल में करेंगे विधानसभा का घेराव, रतलाम से एक हजार कांग्रेसी होंगे शामिल

रतलाम। कांग्रेस पार्टी कई मुद्दों को लेकर 16 दिसंबर को प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन में प्रदेश के सभी जिलों से कांग्रेसजन शामिल होंगे। रतलाम से करीब 1 हजार कांग्रेसी प्रदर्शन में शामिल होंगे।

यह बात मंदसौर विधायक विपिन जैन ने गुरुवार को सर्किट हाउस में मीडिया से चर्चा करते हुए कही। दरअसल, बीजेपी सरकार के एक साल पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी सरकार की नीतियों के खिलाफ भोपाल में प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी। प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर मंदसौर के विधायक विपिन जैन रतलाम आए थे।

विधायक बोले- कांग्रेस पार्टी में कोई खेमेबाजी नहीं

विधायक जैन ने कहा कि

बीजेपी के राज में ऐसी कोई टेबल नहीं है, जहां बिना पैसे देकर काम होता होगा। बीजेपी के मंत्री, जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे है। इनकी कहीं ना कहीं निष्क्रियता है, या फिर यह मिले हुए है। बीजेपी का एक भी नेता भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं बोलता है। प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस पार्टी में कोई खेमेबाजी नहीं है। भोपाल में सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के मार्गदर्शन में विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

विधानसभा का घेराव करने की बात कही

जैन ने आगे कहा कि बीजेपी सरकार को एक साल होने को आ गया है। चुनाव के पहले जो वादे किए गए सरकार उस पर खड़ी नहीं उतरी है। हर योजनाओं और विभागों में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। अनुसूचित जाति, जनजाति, महिलाओं, अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार अत्याचार बढ़ रहे है। किसानों की समस्याओं का निराकरण नहीं हो रहा है, आदि अन्य मुद्दों को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर भोपाल में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कर विधानसभा का घेराव किया जा रहा है। इस दौरान शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, पारस सकलेचा आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

किसान भाई 31 दिसम्बर तक फसल बीमा कराएं

रतलाम। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रबी 2024-25 हेतु योजना के क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा जिले में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी आफ इंडिया लिमिटेड का चयन किया गया है। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर है। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्रीमती नीलमसिंह चौहान ने बताया कि जिस बैंक से किसान का किसान क्रेडिट कार्ड बना है, वहां जाकर फसल बुआई प्रमाण पत्र, पटवारी हल्के की जानकारी, किसान संबंधित बैंक में जाकर अद्यतन कराएं। अऋणी व डिफाल्टर किसान अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए अपने पास की बैंक शाखा जैसे सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा राष्ट्रीयकृत बैंक में फार्म जमा कराएं ताकि उनकी फसलों का फसल बीमा योजना के तहत हो सके। फसल बीमा कराने के लिए बीमा प्रस्ताव पत्र, भू-अधिकार पुस्तिका की फोटोकापी, बोनी का प्रमाण पत्र, संबंधित आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पेन कार्ड इत्यादि में से कोई एक व बैंक पासबुक की फोटो कापी लेकर जाएं।

महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन शाखा का किया आकस्मिक निरीक्षण

रतलाम। नगर निगम विकास शाखा स्थित जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन शाखा का महापौर प्रहलाद पटेल ने आकस्मिक निरीक्षण कर जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्रों की जानकारी लिये जाने पर जन्म प्रमाण-पत्र के 250 से अधिक प्रकरण लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कर्मचारी को निर्देशित किया कि कार्य समय पर पूर्ण करें जिससे नागरिकों को अनावश्यक चक्कर ना लगाना पड़े। जन्म प्रमाण-पत्र देरी से मिलने की शिकायतों पर महापौर प्रहलाद पटेल ने जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन शाखा का निरीक्षण कर प्रमाण-पत्रों की जानकारी संबंधित कर्मचारी संदीप गौसर से लेने पर बताया कि 250 प्रकरण लंबित है। महापौर प्रहलाद पटेल ने निर्देशित किया कि 250 प्रकरण लंबित होना आपकी कार्य के प्रति लापरवाही दर्शित करता है कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कार्य में गति लाये जाने हेतु महापौर प्रहलाद पटेल ने जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन शाखा में एक अतिरिक्त कर्मचारी पदस्थ किया।

सैलाना की एनसीसी कैडेट लक्ष्मी पारगी सिक्किम में ट्रेकिंग कैंप में सम्मिलित हुई

रतलाम। पीएम श्री शासकीय एकीकृत कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सैलाना की एनसीसी कैडेट लक्ष्मी रमेश पारगी का चयन राष्ट्रीय स्तर के ट्रेकिंग कैंप के लिए हुआ। लक्ष्मी सिक्किम के नामची में आयोजित ट्रैकिंग नेशनल कैंप में सम्मिलित हुई। 21 म.प्र. बटालियन एनसीसी रतलाम के कमान अधिकारी कर्नल संदीप अहलावत एवम सूबेदार मेजर जयपाल सिंह के निर्देशानुसार इस कैंप में भाग लेने के लिए लक्ष्मी 30 नवंबर को सैलाना से रवाना हुई जो इंदौर पटना, सिलीगुड़ी होते हुए 2 दिसंबर को सिक्किम नामची पहुंची थी। कैंप में ट्रेकिंग के साथ-साथ बच्चों को वहां के प्रसिद्ध धार्मिक दर्शनीय स्थल भी दिखाए गए और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ कैंप का समापन हुआ। लक्ष्मी 11 दिसंबर को वापस सैलाना पहुंची जहां सफलतापूर्वक कैंप से वापस आने पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुनीता छजलानी एवं विद्यालय की एनसीसी अधिकारी श्रीमती माया मेहता एवं विद्यालय परिवार द्वारा शानदार स्वागत किया गया एवं बधाई दी गई। जनजातीय कार्य विभाग के विद्यालय की छात्रा की इस उपलब्धि पर सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह ने हर्ष व्यक्त किया। छात्रा ने कहा कि कैंप उसके लिए एक अच्छा अनुभव रहा और बहुत कुछ सीखने को मिला। यह एक अविस्मरणीय अनुभव था

पूर्व रतलाम केसरी की 17वीं पुण्यतिथि मनाई गई सेवा कार्य से

जवाहर व्यायाम शाला पर हुई श्रद्धांजलि सभा

पूर्व केसरी द्वारा की गई समाज सेवा के कार्यों का किया स्मरण

रतलाम।

जवाहर व्यामशाला के पितृ पुरुष एवं जवाहर व्यामशाला के संस्थापक पूर्व रतलाम केसरी स्वर्गीय नारायण पहलवान की 17 वीं पुण्यतिथि को जवाहर व्यामशाला परिवार द्वारा सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए शहर में अनेक जगह सेवा करते हुए उनकी पुण्यतिथि मनाई।

जवाहर व्यामशाला में श्रद्धांजलि सभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां पर व्यामशाला के संस्था संस्थापक नारायण पहलवान के चित्र पर माल्यार्पण करने के साथ ही उनके इष्ट मित्रों द्वारा पुष्पांजलि

अर्पित की गई। साथ ही उनका स्मरण करते हुए उनके द्वारा समाज सेवा में किए गए कार्यों स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

गौशाला में हुई गौ सेवा

प्रात: डालूमोदी बाजार पर स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की स्मृति में पूर्व गृह मंत्री हिम्मत कोठारी द्वारा संचालित निःशुल्क स्वल्पाहार केंद्र पर निर्धन कमजोर जन को नाश्ता वितरण किया गया, वही स्वर्गीय नारायण पहलवान की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके अनुज दौलत पहलवान द्वारा इशरथुनी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर गौशाला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करते हुए गौसेवा की गई। ईश प्रेम बस्ती व निर्मला भवन पर भी ममता जाट एवं परिजनों द्वारा निराश्रित जनों की सेवा की गई।

यह थे मौजूद

इस अवसर पर जवाहर व्यायाम शाला परिवार के सूरज जाट, वैभव जाट, गौरव जाट, मयंक जाट, अम्बर जाट, अभिषेक जाट, अमन जाट, राजीव रावत, सलाम पहलवान, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, ललित कोठारी, समाजसेवी गोविंद काकानी आदि जवाहर व्यायामशाला परिवार के सदस्य गण उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश और झारखण्ड के बीच आज होगा राष्ट्रीय बालिका हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल

मन्दसौर।

मंदसौर में चल रही 68वीं राष्ट्रीय बालिका हॉकी प्रतियोगिता के सचिव श्री लोकेंद्र डाबी ने बताया कि फाइनल मैच तथा समापन समारोह में पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मीर रंजन नेगी मुख्य अतिथि तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समापन का कार्यक्रम होगा जिसमें फाइनल मैच खेला जावेगा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी जावेगी।

सेमीफायनल मैच झारखण्ड और मध्यप्रदेश ने जीतकर फायनल में प्रवेश किया। मंदसौर से नेशनल चैंपियन टीम निकलेगी। ऐसा माना जाता है कि चक दे इंडिया फिल्म में शाहरुख खान द्वारा अभिनीत कबीर सिंह का किरदार मीर रंजन नेगी के जीवन पर आधारित था तथा वे चक दे इंडिया फिल्म के निर्माण से भी जुड़े रहे ।

जिला क्रीडा अधिकारी बंसीलाल बारीवाल ने बताया कि कल एस्ट्रोटर्फ मैदान पर दोपहर पूर्व क्वार्टर फाइनल के चार मुकाबले हुए जिनमें झारखंड विरुद्ध महाराष्ट्र में 11-0 से झारखंड, हरियाणा विरुद्ध उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश 3-1 से तथा मध्य प्रदेश विरुद्ध सीबीएसई पानीपत के मैच में मध्य प्रदेश 6-0 से तथा उड़ीसा विरुद्ध तमिलनाडु के मैच में उड़ीसा 5-0 से विजेता रहा ।

दोपहर लंच के बाद सेमीफाइनल के दो मैच हुए । सेमी फाइनल का पहला मैच झारखंड विरुद्ध उत्तर प्रदेश खेला गया । जिसमें दोनों ही टीमों ने गोल करने के लिए पूरी जान झोंक दी. ऐसी ठंड में भी दोनों ही टीमों के खिलाड़ी पसीने में तरबतर हो रहे थे, पहले सेमीफाइनल में झारखंड 4-0 से विजय हुआ। दूसरा सेमीफायनल मैच मध्य प्रदेश और उड़ीसा का मैच में उड़ीसा को 1-0 से हराकर मध्य प्रदेश की टीम फाइनल में पहुंची।

मैच में खिलाडियों का उत्साहवर्धन करने के लिए विक्रम अवॉर्डी अनुया कुलकर्णी, आर्मी एयर डिफेंस के कर्नल ज्योति प्रकाश, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, डीपीसी जगत देव शुक्ला, सहायक संचालक श्री आनंद डावर, ऑब्जर्वर अमित गौतम, सुदीप दास, सुष्मिता दास, राकेश पुरोहित उपस्थित रहे।

मैच में अंपायर तथा स्कोरर का कार्य तरुण नामदेव, शमीउल्ला, शैलेंद्र वर्मा, गोपाल गौतम, निकम, देवेंद्र बाथम, देवेंद्र परमार, मुकेश राठौर ईमानउर रहमान, देवकीनंदन, सौरभ राजपूत, शिवम सोंधिया, राहुल बर्मन ने किया. तथा मैच की कमेंट्री शेख सलीम द्वारा की जा रही थी।

हत्या के मामले में आरोपीगण को आजीवन कारावास और जुर्माने से दंडित किया

मंदसौर। जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता द्वारा हत्या के मामले में आरोपी सादिक खान और फारुख खान को आजीवन कारावास और पांच-पांच हजार रू. के अर्थदंड की सजा दी गई है।

लोक अभियोजक तेजपाल सिंह शक्तावत द्वारा बताया गया कि घटना दिनांक 7 दिसम्बर 2022 की होकर भूसा का व्यवसाय करने वाले रऊफ खान पिता मोहम्मद शाह निवासी उक्त दिनांक को ग्राम अघोरिया होते हुए जवासिया की ओर जा रहे थे तब ग्राम अघोरिया में अभियुक्त सादिक खा उन्हें मिला जिससे रऊफ खान ने भूसा खरीद करने की बात की, और उसके बाद वे दोनों जवासिया की ओर निकल गए। किंतु सुबह 10.30 बजे के लगभग सादिक खान फोन पर उन्हें बात करने के लिए ग्राम अघोरिया में स्थित अपने खेत पर बुलाया, और कहा कि यह भूसा खरीद लो ,तब रऊफ खान कहा कि वह आज ग्राम जवासिया जा रहा है ,बाद में इसकी बात करेंगे। इस पर आरोपी सादिक खा और उसका साथी फारूक उसे अश्लील और गंदी गालियां देने लगे । रऊफ द्वारा प्रतिरोध करने पर आरोपी सादिक खान और फारुख खान ने उसके सिर पर , हाथ पर, लातियां से प्रहार किया जिसे गंभीर चोटें आई और उसका रक्तस्राव होने लगा। घटनास्थल पर उपस्थित मोहम्मद शाह द्वारा मध्यस्थता करते हुए बीच बचाव किया गया ।इसी पर आरोपी ने उसे जान से मारने की भी धमकी। फरियादी रऊफ को जिला चिकित्सालय मंदसौर में लाते समय, रास्ते में ही रऊफ खान ने फोन पर उसके पुत्र जावेद खान को घटना के बारे में बताया। जिला चिकित्सालय में रऊफ द्वारा दिए गए जानकारी के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई। किंतु जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान रऊफ खान की मृत्यु हो गई ।जिस पर से थाना नई आबादी द्वारा धारा 302 के तहत मामले को पंजीबद्ध कर, विवेचना पूर्ण कर,,अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से न्यायालय में कुल 13 साक्षियों के कथन करवाए गए ।तथा मामला पूरी तरह से प्रमाणित किया गया। जिस पर से न्यायालय द्वारा आरोपी सादिक खान पिता हकीम खान निवासी ग्राम अघोरिया एवं फारुख का पिता नासिर खान निवासी खानपुरा मंदसौर को आजीवन कारावास आवास एवं पांच-पांच हजार रू. के अर्थदंड से दंडित किया गया ।

उक्त मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सफल पैरवी लोक/अपर लोक अभियोजक तेजपाल सिंह शक्तावत, भगवती लाल शर्मा एवं भगवान सिंह चौहान द्वारा की गई।

ग्राम ढिकनियां में स्वेटर वितरित किये

मन्दसौर । स्व. नवलबाई कनकमल मेहता शिक्षण समिति द्वारा ग्राम ढिकनिया स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को कंपकपाती ठंड से बचाव हेतु स्वेटर का वितरण किया गया। समिति के अभय मेहता ने बताया कि माता श्रीमती नवलबाई मेहता के स्वर्गवास के समय उनकी स्मृति में प्रतिवर्ष एक लाख रू. की राशि से शासकीय विद्यालयों के बच्चों को स्टेशनरी, स्वेटर, प्रतियोगी गतिविधियां आदि सेवा प्रकल्प आयोजित करने का निर्णय मेहता परिवार द्वारा लिया गया। उसी के अनुरूप निर्मित समिति के माध्यम से यह सेवा कार्य किये जा रहे है। ललिता मेहता ने कक्षा में प्रथम आने पर कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को 500-500 रु. का प्रोत्साहन पुरस्कार देने की घोषणा की। जिसका करतल ध्वनि से सभी ने स्वागत किया।

आरओआर का कार्य नहीं हो रहा है तो तहसीलदार पटवारी पर कार्यवाही करें : कलेक्टर

मंदसौर । कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागृह में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने राजस्व महा अभियान 3.0 एवं जनकल्याण पर्व अभियान की समीक्षा की। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सभी एसडीएम, तहसीलदार मौजूद थे।इस कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि आगामी तीन दिवस में जिले का सभी आरओआर पूर्ण करें तथा तुरंत प्रकाशन करवाएं। अगर कोई तकनीकी समस्या आती है, तो तुरंत बताएं। जिससे उसका समाधान हो सके। कलेक्टर ने आरओआर के संबंध में हल्का वार समीक्षा की। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि आरओआर का काम नहीं हो रहा है तो तहसीलदार पटवारी पर कार्यवाही करें। सभी एसडीएम, तहसीलदार रीडर स्तर पर लंबित प्रकरणों का तुरंत निराकरण करें। सभी पात्र किसानों की फॉर्म रजिस्ट्री बनाएं। जनकल्याण पर्व के अंतर्गत शिविर प्रत्येक गांव में लगे। सभी तहसीलदार और एसडीएम निगरानी करें। डोर टू डोर सर्वे लगातार चलने दे। इसके साथ ही कलेक्टर ने ईकेवाईसी, नक्शा तरमीम, साइबर तहसील के कार्यों की समीक्षा की।

सरस्वती विद्या मंदिर भानपुरा के विद्यार्थीयों का ग्रेंड इंटरनेशनल फिनाले में चयन

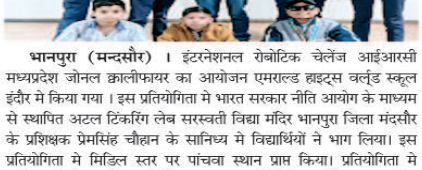

भानपुरा (मन्दसौर) । इंटरनेशनल रोबोटिक चेलेंज आईआरसी मध्यप्रदेश जोनल क्वालीफायर का आयोजन एमराल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल इंदौर मे किया गया । इस प्रतियोगिता मे भारत सरकार नीति आयोग के माध्यम से स्थापित अटल टिंकरिंग लेब सरस्वती विद्या मंदिर भानपुरा जिला मंदसौर के प्रशिक्षक प्रेमसिंह चौहान के सानिध्य मे विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता मे मिडिल स्तर पर पांचवा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता मे जूनियर, मिडिल, सीनियर तीनो स्तर पर 125 टीमों ने भाग लिया था, प्रत्येक टीम के 2 से 5 मिनट का समय मिला, जिसमे उन्हें अधिक से अधिक अंक अर्जित करने के लिए अपने कार्यों को पूरा करना था। टिमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर अंक दिये गए और विजेताओं का चयन उनके अर्जित अंक अनुसार किया गया। प्रतियोगिता मे मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र के 75 स्कूलों के 500 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने समस्या - समाधान और डिजाइन कौशल का प्रदर्शन राइज आंद मशीन्स विषय पर किया गया । सरस्वती विद्या मंदिर भानपुरा के विद्यार्थि नैतिक पुरोहित, सुमित धाकड़, दिव्यांशु भट्ट, प्रमोद माली ने प्रतियोगिता मे(राइज ऑड् द मशीन मे भाग लेकर पांचवा स्थान प्राप्त किया जोनल ड्वालिफायर के विजेता 11 से 12 जनवरी 2025) ने दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स मे होने वाली ग्रेंड इंटरनेशनल फिनाले मे भाग लेंगे जहां वे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अन्य फाइन लिस्टो को चुनौती देंगे 7 इस उपलब्धि पर विद्यालय संचालन समिति एवं विद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

दीक्षा महोत्सव के अंतर्गत द्वितीय दिवस संजय उद्यान में उपकरण वंदनावली कार्यक्रम आयोजित हुआ

मंदसौर । आचार्य श्री जिनसुंदरसूरिश्वरजी म.सा. व आचार्य श्री धर्मबोधिसूरिश्वरजी म.सा. आदि ठाणा 13 व साध्वी श्री शीलमाला श्रीजी आदि ठाणा 2, साध्वी श्री विनय रेखा श्रीजी व श्री भक्ति रेखाश्रीजी आदि ठाणा 2 की पावन निश्रा में नईआबादी स्थित संजय गांधी उद्यान में 5 दिवसीय दीक्षा महोत्सव का आयोजन हो रहा है।

14 दिसम्बर को प्रात: 6.30 बजे शुभ मुहूर्त में महाराष्ट्र मलकापुर के निवासी 18 वर्षीय नमन कुमार पियुष भाई कोचर जैन भागवती दीक्षा ग्रहण करने जा रहे है। इस दीक्षा महोत्सव के निमित्त प्रतिदिन संजय उद्यान में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इसके अंतर्गत कल दीक्षा महोत्सव के द्वितीय दिवस गुरूवार को प्रात: 9 से

11 बजे तक दोनों आचार्यद्वय की पावन निश्रा में जैन साधु साध्वियों के उपकरणों की वंदनावली का कार्यक्रम हुआ। मुमुक्षु नमनकुमार एवं उसके परिवारजनों, आराधना भवन श्रीसंघ के जुड़े परिवारजनों की उपस्थिति में आचार्यद्वय ने दीक्षा के समय प्रदान की जाने वाली मुख वस्त्रिका का शुभ मुहूर्त में स्वास्तिक बनाकर वाशक्षेप डालकर जैन विधि से पूजन किया। इस मौके पर जैन संत योगरूचिजी म.सा. व श्री तत्वरूचिजी म.सा. एवं अन्य साधु साध्वियों की पावन उपस्थिति में आचार्यद्वय ने दीक्षा के समय दिये जाने वाले रजोहरण को मयूर की आकृति में बनाई नाव में विराजित किया। इस अवसर पर आचार्य श्री जिनसुंदरसूरिश्वजी म.सा. ने जैन साधु साध्वियों के प्रतिदिन उपयोग में आने वाले उपकरण जैसे पात्रा (आहार प्राप्त करने का बर्तन), काम्बली (वस्त्र), चोला पट्टा (शरीर के नीचे के भाग का वस्त्र), तरपनी (पानी का बर्तन) एवं रजोहरण सहित सभी उपकरणों के महत्व की जानकारी श्रावक श्राविकाओं को दी तथा जैन धर्म में इन उपकरणों का क्या-क्या महत्व है यह भी बताया ।

आज मुमुक्षु का भव्य वरघोड़ा निकलेगा

दीक्षा महोत्सव के तृतीय दिवस 13 दिसम्बर शुक्रवार को प्रात: 9 बजे संजय गांधी उद्यान से मुमुक्षु नमनकुमार का भव्य वरघोड़ा निकलेगा। बैण्ड बाजे, ढोल के साथ मुमुक्षु को भव्य रथ में बिठाकर पूरे नईआबादी क्षेत्र में उनका भव्य बहुमान जुलूस निकाला जायेगा। संजय उद्यान से प्रारंभ होकर यह वरघोड़ा आराधना भवन मंदिर, गुरूद्वारा रोड़ होते हुए बीपीएल चौराहा, गोल चौराहा, महू-नीमच रोड़ होते हुए पुन: संजय उद्यान पहुंचेगा। मार्ग में कई स्थानों पर मुमुक्षु के द्वारा सांसारिक उपयोग में आने वाली कई वस्तुएं लुटाई जायेगी। इस मौके पर जैन श्रीसंघों, संस्थाओं के द्वारा मुमुक्षु का बहुमान भी किया जायेगा।

अदिति सैगल का नया गाना '10kmh'

डॉट. (अदिति सैगल), मैरी ऐन अलेक्ज़ेंडर और कम्बली ने हाल ही में अपना नया सिंगल 10द्मद्धद्ध रिलीज़ किया है। यह गाना उन पलों को बयां करता है, जब मानसिक सुस्ती और ठहराव एक कलाकार की क्रिएटिविटी को बाधित करती है। इस महीने ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने 'ब्रेन रॉट' को 2024 का वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया। इसे उस मानसिक स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म्स पर बार-बार निम्न गुणवत्ता वाले कंटेंट के उपभोग से मानसिक या बौद्धिक स्थिति में गिरावट आ जाती है।गाने 10द्मद्धद्ध का यही विषय है - मानसिक सुस्ती और ठहराव।डॉट. का दिलचस्प वीडियो डॉट. ने इस गाने से जुड़े एक वीडियो में इस स्थिति पर प्रकाश डाला।

रामायण को लेकर सुर्खियों में रणबीर कपूर

रणबीर कपूर अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर सुर्खियों में हैं। एक इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म के पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है और जल्द ही दूसरे भाग की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं इस समय एक ऐसी फिल्म पर काम कर रहा हूं, जो भारत की सबसे महान कहानी है। रामायण दो भागों में बनाई जा रही है और इसका निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में भगवान राम का किरदार निभाना मेरे लिए गर्व और रोमांच का पल है। यह न केवल भारतीय संस्कृति और मूल्यों को दर्शाती है, बल्कि यह पारिवारिक रिश्तों और आदर्शों की गहराई को भी उजागर करती है। उन्होंने आगे कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे लिए एक सपने जैसा है। इसमें बेहतरीन आर्टिस्ट्स और क्रिएटिव टीम शामिल है। फिल्म के निर्माता नमित मल्होत्रा ने इस प्रोजेक्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खास बनाने के लिए दुनिया भर के क्रिएटर्स को जोड़ा है।जानकारी के मुताबिक, रामायण की कास्ट में कई बड़े नाम शामिल हैं। साई पल्लवी मां सीता का किरदार निभा रही हैं, जबकि केजीएफ स्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

पॉडकास्ट्स एक अंतरंग बातचीत की तरह हैं

औकात से ज्यादा और अन्य प्रोजेक्ट्स से मशहूर हो रहीं उभरती अभिनेत्री रविरा भारद्वाज ने पॉडकास्ट्स के बढ़ते चलन पर अपने विचार साझा किए। आज के दौर में जहां कई सेलिब्रिटी अपने दर्शकों से जुड़ने के लिए इस माध्यम का उपयोग कर रहे हैं, रविरा का मानना है कि पॉडकास्ट्स स्टोरीटेलिंग और प्रामाणिकता के लिए एक अनोखा अवसर प्रदान करते हैं। रविरा ने कहा, पॉडकास्ट्स स्टोरीटेलिंग और कनेक्शन के लिए शानदार माध्यम हैं। ये लोगों को अपने अनुभव बिना किसी फिल्टर के, प्रामाणिक तरीके से साझा करने का मौका देते हैं। सुनने वालों को ऐसा लगता है जैसे वे एक अंतरंग बातचीत का हिस्सा बन रहे हों।

गाते-गाते अचानक स्टेज के पीछे की ओर चली गईं श्रेया

हाल ही में हैदराबाद में मशहूर गायिका श्रेया घोषाल लाइव परफॉर्मेंस के दौरान एक दिलचस्प वाकया हुआ, जिसने वहां मौजूद लोगों को हैरान कर दिया। हैदराबाद में आयोजित इस शो के दौरान श्रेया अपने तेलुगु फैंस के लिए गा रही थीं। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन अचानक गाते-गाते वह स्टेज के एक हिस्से से दौड़कर पीछे की ओर चली गईं। इस अप्रत्याशित हरकत ने उनके फैंस को हैरानी में डाल दिया। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। असल में, परफॉर्मेंस के दौरान श्रेया को गाने के लिरिक्स अचानक याद नहीं आए। लेकिन उन्होंने अपनी पेशेवरता का परिचय देते हुए मंच पर कोई रुकावट नहीं आने दी। गाते-गाते वह दौड़कर उस स्क्रीन तक पहुंचीं, जहां गाने के बोल लिखे हुए थे। लिरिक्स देखने के बाद उन्होंने तुरंत अपनी प्रस्तुति जारी रखी और बिना किसी झिझक के गाना पूरा किया।

कोहली ने टीम को संबोधित किया, रोहित ने सेमी-न्यू और नई गेंद के खिलाफ बल्लेबाजी की

ब्रिस्बेनल (एजेंसी)। वह अपने कप्तानी के दिनों में प्रशिक्षण सत्रों में सभी की निगाहों का केंद्र हुआ करते थे और विराट कोहली एक बार फिर ध्यान का केंद्र थे क्योंकि उन्होंने गुरुवार को यहां अपने साथियों को संबोधित किया।

मेहमान टीम को सीरीज के महत्वपूर्ण तीसरे टेस्ट में जाने से पहले थोड़ी प्रेरणा की जरूरत थी और टीम के युवाओं को अपने ज्ञान के शब्दों के साथ मार्गदर्शन करने के लिए %किंग% कोहली से बेहतर कोई गुरु नहीं मिल सकता था। प्रशिक्षण सत्र शुरू होने से पहले टीम का एकत्रित होना अब वर्षों से एक निरंतर विशेषता है और कोहली अपने दिनों के दौरान काफी बातें करते थे। कप्तानी छोड़ने के बाद वह पीछे हट गए, लेकिन कप्तान रोहित पर भी लगातार चार हार के बाद भारी दबाव के साथ, सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी (टेस्ट पदार्पण के मामले में) को शनिवार से यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पहल करनी पड़ी। उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह के साथ, कोहली समूह से उत्साहपूर्वक बात करते देखे गए और रोहित सहित सभी ने उनकी बात ध्यान से सुनी।

रोहित ने नेट्स में नई और अर्ध-नई गेंद दोनों का सामना किया

गुलाबी गेंद के टेस्ट से पहले के विपरीत, रोहित गाबा में अपने नेट सत्र के दौरान काफी बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन इस बात पर सवालिया निशान बना हुआ है कि क्या वह पारी की शुरुआत करेंगे या नंबर 6 पर ही बने रहेंगे, जो उनका पसंदीदा स्लॉट नहीं है। उस दिन, जबकि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने एक बार फिर नेट्स पर नई गेंद का सामना किया, रोहित ने शुरुआत में थोड़ी पुरानी कूकाबुरा का सामना किया। कुछ समय तक इसका सामना करने के बाद, उन्होंने राहुल के साथ नेट्स बदले और कुछ समय के लिए एकदम नई लाल चेरी भी खेली। गाबा की पिच पर अच्छी घास है और यह हमेशा से सबसे पारंपरिक ऑस्ट्रेलियाई विकेटों में से एक रोहित की संवेदनशीलता उछाल से ज्यादा चलती गेंदों के खिलाफ रही है, और इसलिए, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह चुनौती का सामना करते हैं। अपने सत्र के बाद, रोहित और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लंबी बातचीत की और दूर से ऐसा लग रहा था कि वे तकनीक पर चर्चा कर रहे थे। गंभीर को कुछ शैडो ड्राइव के लिए तैयार होते देखा गया, जबकि रोहित उन्हें गौर से देख रहे थे।

रोहित को ओपनिंग में लौटना होगा: शास्त्री

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच जीतने के बारे में एक-दो बातें जानते हैं, ने गुरुवार को भारत के कप्तान रोहित शर्मा से कहा कि अगर उन्हें आत्मविश्वास से भरे प्रतिद्वंद्वी पर पहला पंच मारना है तो उन्हें ओपनिंग स्लॉट में लौटना चाहिए। शास्त्री टीम के निदेशक के रूप में कार्यरत थे जब भारत ने 2017-18 में ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीती थी और जब टीम ने 2020-21 में पिछले दौरे में मेजबानों को चौंकाने के लिए शानदार वापसी की थी, तब वे मुख्य कोच थे। शास्त्री का मानना है कि यह श्रृंखला का भाग्य तय कर सकता है। शास्त्री ने द एज के हवाले से कहा, वह (रोहित) पिछले आठ या नौ वर्षों से यहीं अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हैं। ऐसा नहीं है कि वह

दुनिया में धूम मचाने जा रहा है - वह ऐसा कर सकता है - लेकिन यही वह जगह है जो उसके लिए सबसे अच्छी है... अगर उसे नुकसान पहुंचाना है, अगर उसे पहला पंच मारना है, तो यही वह जगह है जहां से वह ऐसा कर सकता है। शास्त्री ने कहा कि उन्हें कोई संदेह नहीं है कि शनिवार से यहां शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के विजेता की जीत होगी, जो सीरीज़ पर कब्ज़ा कर सकता है। मुझे लगता है कि जो भी टीम यह टेस्ट मैच जीतेगी, वह सीरीज़ जीतेगी। मेरे मन में बिल्कुल भी संदेह नहीं है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत सही संतुलन बनाए, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने आत्मविश्वास वापस पा लिया है, पूर्व कप्तान ने कहा। 2021 की जीत को भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ी जीतों में से एक माना जाता है और शास्त्री ने गाबा में पहले वार्षिक उस्मान ख्वाजा फाउंडेशन लंच में बोलते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण प्रतिबंधों के बावजूद टीम द्वारा दिखाई गई एकता ने ऐतिहासिक जीत में बड़ी भूमिका निभाई। कोविड में, पहला टेस्ट मैच आप पाँच गेंदबाजों के साथ शुरू करते हैं और वही पाँच गेंदबाज आखिरी टेस्ट नहीं खेलते हैं। यह सब कुछ कहता है, यह ऑस्ट्रेलिया की श्रृंखला के आखिरी टेस्ट में इन पाँच गेंदबाजों के बिना खेलने जैसा है, यह एक अलग गेम है। आप पर्दे के पीछे से एक कोच के रूप में केवल इतना ही कर सकते हैं। अंत में, खिलाड़ियों को ही मैदान पर उतरकर अपना काम करना होता है और वे शानदार थे। चार साल पहले, एडिलेड में अपने सबसे कम टेस्ट स्कोर 36 पर आउट होने के बाद, भारत ने शानदार वापसी करते

मार्श ने बल्लेबाजी कोच का पदभार संभाला

प्रवीण तांबे गुजरात जायंट्स के गेंदबाजी कोच नियुक्त

अहमदाबाद। गुजरात जायंट्स ने गुरुवार को पूर्व लेग स्पिनर प्रवीण तांबे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई डेनियल मार्श महिला प्रीमियर लीग 2025 से पहले बल्लेबाजी कोच के रूप में टीम में शामिल हुए। माइकल क्लिंगर, जो पिछले सीजन में टीम में शामिल हुए थे, जायंट्स के मुख्य कोच के रूप में जारी रहेंगे। तांबे, जिन्होंने 2013 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 41 साल की उम्र में अपना आईपीएल डेब्यू किया था, उनके पास पर्याप्त कोचिंग अनुभव है, उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ काम किया है। तांबे ने कहा, मैं खिलाड़ियों के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि उनके कौशल को निखारा जा सके और उन्हें बेहतर बनाने में मदद मिल सके। मार्श के पास काफी अनुभव है, उन्होंने 2013 से 2017 तक तस्मानिया पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में काम किया है और उन्हें 2022 में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया था। मार्श ने कहा, मैं अपनी टीम को ङ्घक्कक्की सबसे मजबूत बल्लेबाजी इकाइयों में से एक बनाने के उद्देश्य से हमारी बल्लेबाजों के लिए एक निडर दृष्टिकोण विकसित करने के लिए तत्पर हूं।

अनुपूरक बजट के साथ आधा दर्जन विभागों के विधेयक भी होंगे पेश

विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तैयारियां जोरों पर

इंदौर। विधानसभा का शीतकालीन सत्र अगले सोमवार 16 दिसंबर से शुरू होगा। 20 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में पांच बैठकें होंगी। सत्र के शुरू होने के बाद दूसरे दिन चालू वित्त वर्ष का अनुपूरक बजट पेश होगा। इस बजट को मोहन सरकार सत्र शुरू होने के पहले मंजूरी देगी। इसके लिए वित्त विभाग द्वारा सभी विभागों से प्रस्ताव मंगाकर मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री के साथ बैठक की जा चुकी है। इस अनुपूरक बजट को अभी कैबिनेट से मंजूरी मिलना बाकी है। इसके पहले सत्र शुरू होने पर पहले दिन सरकार की ओर से विधेयक पेश किए जा सकते हैं।

विधानसभा सचिवालय ने पांच दिन तक चलने वाले शीतकालीन सत्र के लिए कार्ययोजना घोषित कर दी है। इसमें कहा गया है कि, पहले दिन सत्र शुरू होने पर प्रश्नोत्तर काल होगा और इसके बाद अलग-अलग विभागों के आधा दर्जन विधेयक पेश किए जाएंगे।

इसके बाद 17 दिसंबर को सुबह प्रश्नोत्तर काल होगा और इसके बाद वर्ष 2024-25 के लिए पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। इसके अलावा अन्य शासकीय प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। अनुपूरक बजट पर चर्चा तीसरे दिन होगी और इसी दिन एमपी विनियोग विधेयक 2024 पेश होगा। इसके अलावा सत्र के बाकी दिनों में प्रश्नोत्तर काल, शून्य काल, ध्यानाकर्षण के मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

विधानसभा में लगे हैं 1070 ऑनलाइन प्रश्न

शीतकालीन सत्र के लिए इस बार विधायकों ने कुल 1070 ऑनलाइन सवाल विधानसभा के माध्यम से सरकार से किए हैं। वहीं 696 प्रश्न ऑफ लाइन किए गए हैं। कुल सवालों की संख्या 1766 है।

इसमें तारांकित प्रश्न 888 और अतारांकित प्रश्न 878 हैं। तारांकित प्रश्नों को विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल में चर्चा में शामिल किया जाता है। इसमें रोज 25 सवाल तय रहते हैं जिसका जवाब सदन में विधायक के सवाल के बाद संबंधित विभाग के मंत्री द्वारा दिया जाता है।

कांग्रेस ने की सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग

हालांकि विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने इस सत्र अवधि को काफी छोटा बताते हुए इसमें और अधिक वृद्धि की मांग मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से की है।

आरएसएस मुस्लिमों में जगाएगा राष्ट्रवाद की अलख

इंदौर। अभी तक आपने आरएसएस के शिविर तो सुने होंगे, लेकिन ऐसा पहली बार कि संघ अब मुस्लिमों के लिए भी शिविरों का आयोजन करेगा। यह शिविर भी आरएसएस के अनुषांगिक संगठन राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के बैनर तले होगा। मुस्लिम मंच से नए साल में संगठनात्मक कार्य रूपरेखा तैयार की है। इसमें जोर इस बात का होगा कि मुस्लिम वर्ग में राष्ट्रवादी सोच को विकसित किया जाए। राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के प्रदेश संयोजक फारुख खान ने बताया कि प्रदेश में लगातार राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सक्रिय है। मंच के आगामी कार्यक्रमों को लेकर पूरा खाका तैयार किया गया है। इस साल मुस्लिमों के शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा कार्यशालाओं का भी आयोजन होगा। एमपी के अल्पसंख्यक बाहुल्य जिलों में विशेष सक्रियता भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया तालीम, तहजीब और तरक्की राष्ट्रीय मुस्लिम मंच का नारा है। जो राष्ट्रवादी सोच विकसित करने के लिए बेहद जरूरी है।

आरोप-प्रत्यारोप तेज-मामले को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव के परिणाम ने भाजपा को सांप्रदायिक राजनीति करने का आईना दिखाया। मोदी सरकार बैसाखियों पर खड़ी है। लिहाजा अब आरएसएस को मुस्लिमों की याद आ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा असंख्यक वर्ग को अपना दुश्मन ही मानती है। नफरत की राजनीति करती है। यदि राष्ट्रवाद की संघ को इतनी ही चिंता है तो राष्ट्र के आधार मात्र शक्ति को सभी संघ के शीर्ष पदों पर क्यों नहीं बिठाया जाता। ऐसे हथकंडों से मुस्लिम वर्ग को सावधान रहना चाहिए। कांग्रेस के आरोप पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस कहती कुछ है और करती कुछ है। कांग्रेस को इस्लाम सिर्फ जिहाद की परिभाषा दिखाई देती है। संघ और राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी संगठन है। ऐसे मुस्लिम जो राष्ट्रवादी सोच रख मां भारती के वैभव के लिए जीना चाहते हैं उनका हमेशा स्वागत ही रहा है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव : ओबीसी को साधेगी भाजपा

52 जातियों से संवाद करेंगे दिग्गज नेता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी अपना वोट बैंक मजबूत करने के लिए बड़ी रणनीति बना रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने ओबीसी को साधने के लिए पूरा प्लान तैयार किया है। इसके लिए 52 जातियों को एकजुट करेंगे और इन्हे एकजुट कर इनसे भाजपा के दिग्गज नेता संवाद करेंगे। कोशिश करेंगे कि किसी भी हाल में ओबीसी को भाजपा से सीधा कनेक्ट किया जाए ताकि वोट बैंक मजबूत हो सके।

1998 से दिल्ली में भाजपा सत्ता से बाहर है। यहां पार्टी कई तरह के फॉर्मूले अपना चुकी है लेकिन कामयाबी से काफी दूर है। दिल्ली भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि अभियान की शुरुआत पाल समुदाय के सदस्यों की एक बैठक से हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में रवा राजपूत, कश्यप, राजभर, जोगी, लोधी और तेली समेत अन्य ओबीसी उपजातियों की बैठकें होंगी, जिनमें पार्टी के प्रमुख नेता भी भाग लेंगे।

यादव ने कहा, ओबीसी समुदाय के लोग दिल्ली में मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग हैं। अन्य पिछड़े वर्गों में से कई की संख्या कम है और वे इस अभियान का केंद्र हैं।

दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव अगले साल फरवरी में होंगे। भाजपा 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि बैठकों और सम्मेलनों के अलावा ओबीसी समुदाय से जुड़े प्रोफेशनल और महिलाओं की दो बड़ी बैठकें भी आयोजित करेगा।

ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि इन बैठकों में शहर के प्रमुख व्यक्ति, जिसमें प्रोफेशनल, उद्यमी, कारोबारी और ओबीसी समुदाय के अन्य प्रभावशाली सदस्य शामिल होंगे।

यादव ने कहा कि भाजपा ओबीसी नेता नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताएंगे, जैसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देना और 127वां संविधान संशोधन पारित करना, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पिछड़े वर्गों की अपनी सूची तैयार करने की अनुमति दी गई।

असम सरकार का बड़ा फैसला : एनआरसी के लिए आवेदन करने पर ही मिलेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी। असम सरकार ने एनआरसी के लिए बड़ा फैसला लिया है। यहां अब एनआरसी के लिए आवेदन करने वालों को ही आधार कार्ड मिलेगा। जिन्होंने आवेदन नहीं किया है या करना नहीं चाह रहे है वे आधार कार्ड से वंचित रहेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि संकटग्रस्त बांग्लादेश के नागरिकों द्वारा घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए कैबिनेट की बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया।

उन्होंने कहा, पिछले 2 महीने में असम पुलिस, त्रिपुरा पुलिस और बीएसपी ने बड़ी संख्या में घुसपैठियों को पकड़ा है। यही कारण है कि बांग्लादेश से घुसपैठ हमारे लिए चिंता का विषय है। हमें अपनी प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है और इसीलिए हमने आधार कार्ड तंत्र को सख्त बनाने का निर्णय लिया है।

सरमा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि अब से राज्य सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग आधार आवेदकों के सत्यापन के लिए नोडल एजेंसी होगा और

प्रत्येक जिले में एक अतिरिक्त जिला आयुक्त संबंधित व्यक्ति होगा।उन्होंने कहा, प्रारंभिक आवेदन के बाद, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) इसे सत्यापन के लिए राज्य सरकार को भेजेगा। स्थानीय सर्किल अधिकारी (सीओ) पहले यह जांच करेगा कि आवेदक या उसके माता-पिता या परिवार ने एनआरसी में शामिल होने के लिए आवेदन किया है या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर एनआरसी के लिए कोई आवेदन नहीं है, तो आधार अनुरोध को तुरंत खारिज कर दिया जाएगा और तदनुसार केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

केंद्रीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा नियम

सीएम ने कहा, अगर यह पाया जाता है कि एनआरसी के लिए कोई आवेदन था, तो सीओ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार क्षेत्र-स्तरीय सत्यापन के लिए जाएंगे। अधिकारी के पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद, आधार को मंजूरी दी जाएगी।

हालांकि, सरमा ने कहा कि यह नया निर्देश उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जो दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं और जिन्होंने एनआरसी के लिए आवेदन नहीं किया है। उन्होंने कहा, इस तरह, हम अपने आधार जारी करने की प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक सख्त तंत्र लागू करेंगे ताकि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति यह पहचान पत्र न पा सके।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com